पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

सहायक पाठ्यक्रम

2023-2024

सहायक पाठ्यक्रम

उद्देश्य-

1. पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्कृत व्याकरण के मूल सिद्धान्तों से अवगत कराते हुये विद्यार्थी को संस्कृत व्याकरण के गम्भीर अध्ययन के लिये समर्थ बनाना है।
2. पाणिनी शिक्षा के माध्यम से वर्णों के उच्चारण स्थान एवं प्रयत्नादी का बोध करना।
3. अष्टाध्यायी एवं धातुपाठ का कण्ठस्थीकरण करना।
4. पदच्छेद विभक्ति समास आदि के माध्यम से अष्टाध्यायी सूत्रों की प्रथमावृत्ति कराना।
5. रचनानुवाद कौमुदी के माध्यम से हिन्दी भाषा का संस्कृत भाषा में अनुवाद एवं वाक्य रचना का बोध कराना।
6. वैदिक साहित्य के माध्यम से वेद उपनिषद् उर्शन एवं अन्य वैदिक ग्रन्थों का संक्षेप रूप से बोध कराना।
7. षोडश संस्कार वर्णाश्रम व्यवस्था पुरुषार्थ चतुष्टय आदि विषयों से अवगत कराना।
8. अभिनव पाठावली के माध्यम से गद्यों का अन्वय शब्दार्थ और
9. आर्यभाषा में अनुवाद के द्वारा जीवन के नैतिक मूल्यों का बोध कराना।

परिणाम -

1. व्याकरण के मूल सिद्धान्तों से परिचित हो कर विद्यार्थी संस्कृत व्याकरण के गम्भीर अध्ययन के लिये प्रवृत्त हो जाता है।
2. विद्यार्थी मानवजीवन के उत्कृष्ट मूल्यों को धारण करने अपना उत्कर्ष और समाज के लिये उत्कृष्ट योगदान देता है।
3. संस्कृत भाषा को लिखने पढ़ने बोलने वह समझने में समर्थ हो जाता है।
4. इनके अध्ययन से मानवीय मूल्यों या सिद्धान्तों से अवगत हो जाता है।
5. महाभाष्यकार ने कहा भी है-

एकः शब्दः सम्यग् ज्ञातः सुप्रयुक्तः स्वर्गे लोके कामधुग् भवति।

PROPOSED SCHEME FOR CBCS SYSTEM IN BRIDGE COURSE OF SANSKRIT-VYAKARANAM

Semester - I

S.No.	Course Code	Course Title	MH	Lecture per week			Total Credit
				L	T	P	
1	**BC-101**	संस्कृतव्याकरणम्– क	22	4	0	2	6
2	**BC-102**	संस्कृतव्याकरणम्– ख	22	4	0	2	6
3	**BC-103**	संस्कृतसाहित्यम्	22	5	0	1	6
4	**BC-104**	वैदिकसाहित्यम्	22	5	0	1	6
5	**BC-105**	आंग्लभाषा	22	5	0	1	6
						TOTAL	**20**

Semester - II

Sl.No.	Course Code	Course Title	MH	Lecture per week			Total Credit
				L	T	P	
1	**BC-201**	संस्कृतव्याकरणम्– क	22	4	0	2	6
2	**BC-202**	संस्कृतव्याकरणम्– ख	22	4	0	2	6
3	**BC-203**	संस्कृतसाहित्यम्	22	5	0	1	6
4	**BC-204**	वैदिकसाहित्यम्	22	5	0	1	6
5	**BC-205**	आंग्लभाषा	22	5	0	1	6
						TOTAL	**20**

सहायकपाठ्यक्रमस्य प्रथमसत्रम्

प्रथमपत्रम्-संस्कृतव्याकरणम् (क)

BC-101

पूर्णाङ्क - 100
बाह्यमूल्यांकन - 70
आन्तरिक मूल्यांकन - 30

उद्देश्य-

- अष्टाध्यायी में प्रयुक्त पारिभाषिक संज्ञाओं का ज्ञान एवं बोध कराना।
- अष्टाध्यायी का सम्यक् स्मरण एवं बोध कराना।
- अच् एवं व्यंजन इत्यादि वर्णों के उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न आदि का बोध कराना।

परिणाम-

- अष्टाध्यायी में प्रयुक्त संज्ञाओं का ज्ञान हो जाता है। जिससे विद्यार्थी की तत्सम्बन्धी शास्त्रगत विषयों में गति होती है।
- अष्टाध्यायी का स्मरण हो जाता है। जिससे विद्यार्थी की व्याकरण शास्त्र में गति होती है।विद्यार्थी की स्मरण शक्ति भी तीव्र होती है।
- वर्णों का उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न आदि का ज्ञान हो जाने से विद्यार्थी की वाणी शुद्ध एवं परिमार्जीत हो जाती है। जिससे वह यश लाभ करता है।

1. प्रथमावृत्तिः (प्रत्याहारसूत्रसहितौ प्रथमाध्यायस्य 1.1.1-1.1.45)	**55**
(क) पदच्छेदः विभक्तिवचनं च	10
(ख) समासः	10
(ग) अर्थोदाहरणे	10
(घ) शब्दसिद्धि	10
2. अष्टाध्यायी (1-2 अध्यायाः)	15
(क) सूत्रलेखनम्	10
(ख) सूत्राणामध्यायपादसंख्याज्ञज्ञपनम्	05
3. पाणिनीय शिक्षा -	15

सहायकग्रन्थाः-

1. **प्रथमावृत्ति :** - श्री ब्रह्मदत्तजिज्ञासुविरचितः

   प्रकाशक : - रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरियाणा।

2. **अष्टाध्यायी** - महर्षिपाणिनिकृता

   प्रकाशक : - दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः
(व्याकरण - क)

प्रथमावृत्तित :-

1. प्रष्टेषु सप्तसू सूत्रेषु पञ्चानां पदच्छेदविभक्तिवचनज्ञापनम्।	10
2. पृष्टेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां समासज्ञापनम्।	10
3. पृष्टेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानामर्थोदाहारणे ज्ञापनीये।	15
4. प्रदेत्तषु सप्तसु शब्देषु चतुर्णा साधनम् (सिद्धिः)।	20

2. अष्टाध्यायीतः-

1. पृष्टेष चतुर्ष अष्टाध्यायीसूत्रेषु द्वयोरग्रे दशसूत्रलेखनम्।	10
2. पृष्टानां पञ्चानां सूत्राणामध्यायपदसंख्याज्ञापनम्।	05

सहायकपाठ्यक्रमस्य प्रथमसत्रम्

द्वितीयपत्रम् -संस्कृतव्याकरणम् (ख)

BC-102

पूर्णाङ्क - 100
बाह्यमूल्यांकन - 70
आन्तरिक मूल्यांकन - 30

उद्देश्य-

- अष्टाध्यायी में प्रयुक्त पारिभाषिक संज्ञाओं का ज्ञान एवं बोध कराना।
- अष्टाध्यायी का सम्यक् स्मरण एवं बोध कराना।

परिणाम-

- अष्टाध्यायी में प्रयुक्त संज्ञाओं का ज्ञान हो जाता है। जिससे विद्यार्थी की तत्सम्बन्धी शास्त्रगत विषयों में गति होती है।
- अष्टाध्यायी का स्मरण हो जाता है। जिससे विद्यार्थी की व्याकरण शास्त्र में गति होती है।विद्यार्थी की स्मरण शक्ति भी तीव्र होती है।

1. प्रथमावृत्तिः (प्रथमाध्यायस्य 1.1.45-1.1.74)	55
(क) पदच्छेदः विभक्तिवचनं च	10
(ख) समासः	10
(ग) अर्थोदारणे	15
(घ) शब्दसिद्धिः	20
2. अष्टाध्यायी (3-4 अध्यायाः)	15
(क) सूत्रलेखनम्	10
(ख) सूत्राणामध्यायपादसंख्याज्ञज्ञपनम्	05

सहायकग्रन्थाः-

1. **प्रथमावृत्ति :** - श्री ब्रह्मदत्तजिज्ञासुविरचितः

   प्रकाशक : - रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरियाणा।

2. **अष्टाध्यायी** - महर्षिपाणिनिकृता

   प्रकाशक : - दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः

(व्याकरण - ख)

प्रथमावृत्तित :-

1. प्रष्टेषु सप्तसू सूत्रेषु पञ्चानां पदच्छेदविभक्तिवचनज्ञापनम्।	10
2. पृष्टेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां समासज्ञापनम्।	10
3. पृष्टेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानामर्थोदाहारणे ज्ञापनीये।	15
4. प्रदेत्तषु सप्तसु शब्देषु चतुर्णा साधनम् (सिद्धिः)।	20

2. अष्टाध्यायीतः-

1. पृष्टेष चतुर्ष अष्टाध्यायीसूत्रेषु द्वयोरग्रे दशसूत्रलेखनम्।	10
2. पृष्टानां पञ्चानां सूत्राणामध्यायपदसंख्याज्ञापनम्।	05

सहायकपाठ्यक्रमस्य प्रथमसत्रम्

तृतीयपत्रम्-संस्कृतसाहित्यम्

BC-103

उद्देश्य-

- मनोहर एवं प्रेरक कहानियों के माध्यम से संस्कृतभाषा का व्यवहारिक ज्ञान कराना।
- अनुवाद, शब्दरूप, धातुरूप का स्मरण एवं निबन्ध लेखन इत्यादि का बोध कराना।
- जीवन में वैराग्य का महत्व तथा जीवन में शुचिता एवं सादगी का बोध कराना।
- संसार की वास्तविकता का ज्ञान कराना।

परिणाम-

- मनोहर एवं प्रेरक कहानियों के माध्यम से संस्कृतभाषा का व्यवहारिक ज्ञान हो जाता है, जिससे विद्यार्थी संस्कृतभाषा का व्यवहारिक प्रयोग सीखता है एवं प्रेरक कहानियों के माध्यम से अपने जीवन को प्रेरित करता है।
- अनुवाद, शब्दरूप, धातुरूप एवं लेखन आदि का ज्ञान होने से विद्यार्थी संस्कृतवाङ्मय के अन्य शास्त्रों को हृदयाङ्गम कर पाता है।
- संसार की वास्तविकता का ज्ञान हो जाता है, जिससे विद्यार्थी विरक्त एवं त्याग भाव से संसार के कर्त्तव्यों का निर्वहन करता हैं।

1. अभिनवपाठावलिः (प्रथमभागः) 20

(क) शब्दार्थः / अपठितगद्यस्य आर्यभाषानुवादः 10

(ख) स्वोपज्ञकथालेखनम् (स्वनिर्मितकथालेखनम्)/ विषयात्मकप्रश्नाः 10

2. रचनानुवादकौमुदी - (1-30 अभ्यासाः) 30

(क) हिन्दीभाषावक्यानां संस्कृतानुवादः 05

(ख) शब्दरूपस्मरणम् 10

(ग) धातुरूपस्मरणम् 10

(घ) निबन्धलखनम् 10

3. वैराग्यशतकम्

चयनितश्लोकसंख्याः-3 ,8 ,9 ,10 ,11 ,12 ,13 ,14 ,17 ,18 ,19 ,20 ,21 ,22 ,23 ,25 ,27 ,28 ,31 ,32 ,33 ,35 ,37 ,38 ,39 ,41 ,43 ,44 ,45 ,48 ,49 ,50 ,53 ,73 ,75 ,77

(क) श्लोकपूर्त्तिः 05

(ख) श्लोकव्याख्या 05

4. चर्पटमञ्जरी 10

(क) श्लोकपूर्तिः 05

(ख) पदच्छेदविभक्तिसमासाः 05

सहायकग्रन्थाः-

1. अभिनवपाठावलिः- विनायकलक्ष्मीकान्तशर्मविरचिता

प्रकाशकः- मॅक्मिलन् अणि कम्पनी लि.।

2. प्रारम्भिकरचनानुवादकौमुदी - डॉ कपिलदेव द्विवेदी

प्रकाशकः - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

3. वैराग्यशतकम् - भतृहरिप्रणीतम्। प्रकाशकः- चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी।

4. चर्पटमञ्जरी - श्रीशंकराचार्यः

प्रकाशकः दिव्य प्रकाशनम, दिव्ययोगमन्दिर ट्रस्ट, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः

1. अभिनवपाठावलिः (प्रथमभागः) 20

(क) शब्दार्थः / अपठितगद्यस्य आर्यभाषानुवादः 10

(ख) स्वोपज्ञकथालेखनम् (स्वनिर्मितकथालेखनम्)/ विषयात्मकप्रश्नाः 10

2. रचनानुवादकौमुदी - (1-30 अभ्यासाः) 30

(क)पृष्टानां पञ्चानां हिन्दीवाक्यानां संस्कृतभाषानुवादः 05

(ख) पृष्टेषु त्रिषुद्वयोः शब्दरूपलेखनम्। 10

(ग) पृष्टेषु त्रिषुद्वयोः धातुरूपलेखनम्। 10

(घ) पृष्टयोर्द्वयोरेकस्मिन् निबन्धलेखनम्। 10

3. वैराग्यशतकम्

(क) पृष्टेषु त्रिषु श्लोकेषु द्वयोः पूर्त्तिः। 05

(ख) पृष्टेषु त्रिषु श्लोकेषु द्वयोर्व्याख्या। 05

4. चर्पटमञ्जरी -

(क) पृष्टेषु त्रिषु श्लोकेषु द्वयोः पूत्तिः। 05

(ख) पृष्टेषु त्रिषु श्लोकेषु द्वयोः पदच्छेदविभक्तिसमासाः। 05

सहायकपाठ्यक्रमस्य प्रथमसत्रम्

चतुथपत्रम् -वैदिकसाहित्यम्

BC-104

उद्देश्य-

- दर्शन व वेद का संक्षिप्त बोध।
- वैदिकसिद्धान्तों का बोध जैसे वर्णाश्रम, पुरुषार्थ चतुष्ट्य आदि।
- पञ्चमहायज्ञ व संस्कारों का क्रमानुसार बोध।

परिणाम-

- वेद व दर्शन के प्रारम्भिक ज्ञान में समर्थ होते हैं।
- वैदिक मूलभूत सिद्धान्तों से अच्छे से परिचित हो जाते हैं।
- पञ्चमहायज्ञों का मन्त्र पूर्वक ज्ञान में समर्थ हो जाते हैं।
- षोड्श संस्कारों का क्रमानुसार व विधि विधान को बताने में समर्थ हो जाते हैं।

1. ग्रन्थानां परिचयः	15
(क) वेदपरिचयः	05
(ख) दर्शनपरिचयः	05
(ग) अन्यवैदिकग्रथपरिचयः	05
2. सिद्धान्तानां परिचयः	55
(क) त्रैतवादः (ईश्वरः, जीवः, प्रकृतिः)	10
(ख) वर्णाश्रमव्यस्था	10
(ग) पुरुषार्थचतुष्टयम्, त्रयी विद्या	10
(घ) पञ्चमहयज्ञाः	10
(ङ) षोडश संस्काराः	10
(च) पुनर्जन्म, कर्मफलव्यवस्था	05

सहायकग्रन्थाः -

1. आर्यो के सोलह संस्कार - आचार्य ज्ञानेश्वरार्यः

प्रकाशकः - वानप्रस्थ साधक आश्रम रोजड़, गुजरात।

2. वैदिकसिद्धान्तपरिचयः-

प्रकाशकः- दिव्यप्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

सहायकपाठ्यक्रमस्य प्रथमसत्रम्

ENGLISH COMMUNICATION-1

BC- 105

Semester-1

Programme Objectives

- Develop the students' abilities in grammar, oral skills, reading, writing and study skills
- Students will heighten their awareness of correct usage of English grammar in writing and speaking
- Students will improve their speaking ability in English both in terms of fluency and comprehensibility
- Students will give oral presentations and receive feedback on their performance
- Students will increase their reading speed and comprehension of academic articles
- Students will improve th eir reading fluency skills through extensive reading
- Students will enlarge their vocabulary by keeping a vocabulary journal
- Students will strengthen their ability to write academic papers, essays and summaries using the process approach.

Course Specific Outcomes

- Produce words with right pronunciation
- Develop vocabulary and improve the accuracy in grammar
- Develop the confidence to speak in public
- Demonstrate positive group communication exchanges.

Ability to speak and write clearly in standard, academic English

Method of Teaching & Assessment- Videos, Audio clippings, discussion, written and oral exercises

Unit-1: -Syllables (stress in simple words), Rhythm, Intonation, &
Revision of Basic Grammar

- Tenses
- Prepositions
- Articles
- Conjunctions
- Modals
- Direct and indirect Speech

Unit-2: Reading & Writing

- Vocabulary- Homophones, Homonyms
- Analytical Skills
- Editing Skills- Error Correction
- Article Writing
- Reading Comprehension

Unit-3: Listening –

- Audio books
- Podcasts
- Speeches of various renowned Yoga Masters
- Ted Talks

Unit-4: - Spoken English

- Accents and dialects
- Extempore
- Oral Report,
- Debates and GDs
- Public Speaking Skills
- Leadership
- Team Work

Unit-5: प्रयोगात्मक वक्तव्य

Text books:

English Grammar in Use, 4th Edition, Cambridge by Raymond Murphy
Suggested Sources:
Britishouncil.org

Text books:

1. English Grammar in Use, 4th Edition, Cambridge by Raymond Murphy
2. Oxford Handbook for the Foundation Programme by Tim Raine & James Dawson& Stephan Sanders & Simon Eccles – eBook

Suggested Sources:

1. learnenglish.britishcouncil.org
2. learnenglish.britishcouncil.org/general-english/magazine-zone
3. British Council e-Books for free - pdfdrive.com/british-council-books.html
4. Check Your Vocabulary for English for the IELTS Examination - eBook

सहायकपाठ्यक्रमस्य द्वितीयसत्रम्

प्रथमपत्रम्-संस्कृतव्याकरणम् (क)

BC-201

उद्देश्य-

- अष्टाध्यायी में प्रयुक्त पारिभाषिक संज्ञाओं का ज्ञान एवं बोध कराना।
- अष्टाध्यायी का सम्यक् स्मरण एवं बोध कराना।
- सूत्रों को सम्यक् स्मरण एवं बोध कराना।

परिणाम-

- अष्टाध्यायी में प्रयुक्त संज्ञाओं का ज्ञान हो जाता है। जिससे विद्यार्थी की तत्सम्बन्धी शास्त्रगत विषयों में गति होती है।
- अष्टाध्यायी का स्मरण हो जाता है। जिससे विद्यार्थी की व्याकरण शास्त्र में गति होती है।विद्यार्थी की स्मरण शक्ति भी तीव्र होती है।
- अष्टाध्यायी के सूत्रों का ठीक प्रकार से स्मरण हो जाता है, जिससे विद्यार्थी व्याकरण शास्त्रों को यथावत् समझने में कुशल हो जाता है।

1. प्रथमावृत्तिः (1.2)	55
(क) पदच्छेदः विभक्तिवचनं च	10
(ख) समासः	10
(ग) अर्थोदारणे	15
(घ) शब्दसिद्धिः	20
2. अष्टाध्यायी (5-6 अध्यायाः)	15
(क) सूत्रलेखनम्	10
(ख) सूत्राणामध्यायपादसंख्याज्ञापनम्	05

सहायकग्रन्थाः-

1. प्रथमावृत्ति : - श्री ब्रह्मदत्तजिज्ञासुविरचितः

प्रकाशक : - रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।

2. अष्टाध्यायी - महर्षिपाणिनिकृता

प्रकाशक : - दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः

(व्याकरण - ख)

प्रथमावृत्तित :-

1. प्रष्टेषु सप्तसू सूत्रेषु पञ्चानां पदच्छेदविभक्तिवचनज्ञापनम्।	10
2. पृष्टेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां समासज्ञापनम्।	10
3. पृष्टेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानामर्थोदाहारणे ज्ञापनीये।	15
4. प्रदेत्तषु सप्तसु शब्देषु चतुर्णा साधनम् (सिद्धिः)।	20

2. अष्टाध्यायीतः-

1. पृष्टेषु चतुर्षु अष्टाध्यायीसूत्रेषु द्वयोरग्रे दश दश सूत्रलेखनम्।	10
2. पृष्टानां पञ्चानां सूत्राणामध्यायपादसंख्याज्ञापनम्।	05

सहायकपाठ्यक्रमस्य द्वितीयसत्रम्

द्वितीयपत्रम्-संस्कृतव्याकरणम् (ख)

BC-202

उद्देश्य-

- इत् संज्ञा तथा आत्मनेपद एवं परस्मैपद विषयक बोध प्रदान करना।
- अष्टाध्यायी का सम्यक् स्मरण एवं बोध कराना।

परिणाम-

- इत् संज्ञा का ज्ञान हो जाता है, जिससे शास्त्र में गति होती है।
- अष्टाध्यायी का स्मरण हो जाता है। जिससे विद्यार्थी की व्याकरण शास्त्र में गति होती है।विद्यार्थी की स्मरण शक्ति भी तीव्र होती है।

1. प्रथमावृत्तिः (1.3)	55
(क) पदच्छेदः विभक्तिवचनं च	10
(ख) समासः	10
(ग) अर्थोदारणे	15
(घ) शब्दसिद्धिः	20
2. अष्टाध्यायी (7-8 अध्यायाः)	15
(क) सूत्रलेखनम्	10
(ख) सूत्राणामध्यायपादसंख्याज्ञापनम्	05

सहायकग्रन्थाः-

1. **प्रथमावृत्ति :** - श्री ब्रह्मदत्तजिज्ञासुविरचितः

   प्रकाशक : - रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।

2. **अष्टाध्यायी** - महर्षिपाणिनिकृता

   प्रकाशक : - दिव्य प्रकाशन, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः

(व्याकरण - ख)

प्रथमावृत्तित :-

1. पृष्टेषु सप्तसू सूत्रेषु पञ्चानां पदच्छेदविभक्तिवचनज्ञापनम्।	10
2. पृष्टेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां समासज्ञापनम्।	10
3. पृष्टेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानामर्थोदाहारणे ज्ञापनीये।	15
4. प्रदेत्तषु सप्तसु शब्देषु चतुर्णा साधनम् (सिद्धिः)।	20

2. अष्टाध्यायीतः-

1. पृष्टेषु चतुर्षु अष्टाध्यायीसूत्रेषु द्वयोरग्रे दश दश सूत्रलेखनम्।	10
2. पृष्टानां पञ्चानां सूत्राणामध्यायपादसंख्याज्ञापनम्।	05

सहायकपाठ्यक्रमस्य द्वितीयसत्रम्

तृतीयपत्रम्-संस्कृतसाहित्यम्

BC-203

उद्देश्य-

- संस्कृतभाषा की मधुरता एवं व्यवहारिक ज्ञान का मनोहर एवं प्रेरक कहानियों के माध्यम से बोध कराना।
- अनुवाद की कुशलता, शब्दरूप, धातुरूप एवं निबन्ध लेखन आदि का बोध कराना।
- जीवन में नीतिगत विषयों का सम्यक् ज्ञान एवं बोध कराना।

परिणाम-

- विद्यार्थी को संस्कृतभाषा का व्यवहारिक ज्ञान हो जाने से, विद्यार्थी अन्य शास्त्रों को भी ठीक प्रकार समझ पाते हैं एवं प्रेरक कहानियों से उनका जीवन उज्जवल होता है।
- अनुवाद की कुशलता, शब्दरूप, धातुरूप एवं निबन्ध आदि का ज्ञान हो जाता है, जिससे वे संस्कृतभाषा को अपने व्यवहारिक जीवन में प्रयोग कर पाते हैं।
- जीवन में नीतिगत विषयों का ज्ञान हो जाता है, जिससे विद्यार्थी सम्पूर्ण जीवन नीतिगत निर्णय को ठीक प्रकार से समझ पाते हैं।

1. अभिनवपाठावलिः (द्वितीयभागः)	**20**
2. रचनानुवादकौमुदी - (31-60 अभ्यासाः)	**40**
(क) हिन्दीभाषावाक्यानां संस्कृतानुवादः	**10**
(ख) शब्दरूपस्मरणम्	**10**
(ग) धातुरूप्स्मरणम्	**10**
(घ) निबन्धालेखनम् / शब्दार्थाः / वाक्यरचना	**10**
3. नीतिशतकम् (श्लोकसंख्याः):- 1,3,7,8,10,13,,15,19,20,26,27,,51,55,58, 63,73,75,78,79,82,83,84,103	
(क) श्लोकपूर्तिः	**05**
(ख) श्लोकव्याख्या	**05**

सहायकग्रन्थाः-

1. अभिनवपाठावलिः- विनायकलक्ष्मीकान्तशर्मविरचिता

   प्रकाशकः- मॅक्मिलन् अणि कम्पनी लि.

2. रचनानुवादकौमुदी - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

   प्रकाशकः- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

3. नीतिशतकम् भर्तृहरिप्रणीतम्

   प्रकाशकः- चौखम्बासुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः

1. अभिनवपाठावलिः (द्वितीयभागः)	20
(क) शब्दार्थः / अपठितगद्यस्य आर्यभाषानुवादः	10
(ख) स्वोपज्ञकथालेखनम् (स्वनिर्मितकथालेखनम्)/ विषयात्मकप्रश्नाः	10
2. रचनानुवादकौमुदी - (31-60 अभ्यासाः)	40
(क)पृष्टानां पञ्चानां हिन्दीवाक्यानां संस्कृतभाषानुवादः	10
(ख) पृष्टेषु त्रिषुद्वयोः शब्दरूपलेखनम्।	10
(ग) पृष्टेषु त्रिषुद्वयोः धातुरूपलेखनम्।	10
(घ) पृष्टयोर्द्वयोरेकस्मिन् निबन्धलेखनम्।	10
3. नीतिशतकम्	10
(क) पृष्टेषु त्रिषु श्लोकेषु द्वयोः पूर्त्तिः।	05
(ख) पृष्टेषु त्रिषु श्लोकेषु द्वयोर्व्याख्या।	05

सहायकपाठ्यक्रमस्य द्वितीयसत्रम्

चतुर्थपत्रम्-वैदिकसाहित्यम्

BC-204

उद्देश्य-

- अग्नि एवं श्रद्धा सूक्त का ज्ञान करना।
- स्थितप्रज्ञा का लक्षण एवं स्थित प्रज्ञा से युक्त व्यक्ति का स्वभाव एवं व्यवहार का बोध।
- बालशिक्षा, समाज में प्रचलित भ्रान्तियों, आश्रमव्यवस्था, ईश्वरविषयक, आचार, अनाचार एवं भक्ष्य, अभक्ष्य विषयक ज्ञान का बोध कराना।

परिणाम-

- अग्नि एवं श्रद्धा युक्त का ज्ञान हो जाता है, जिससे विद्यार्थी अर्थबोध कर जीवन में व्यवहार करने में समर्थ हो जाते हैं।
- स्थितप्रज्ञा का लक्षण एवं स्थितप्रज्ञा से युक्त व्यक्ति का स्वभाव एवं व्यवहार का ज्ञान हो जाता है, जिससे विद्यार्थी स्थितप्रज्ञा से युक्त व्यक्ति एवं सामान्य व्यक्ति को पहचान पाते हैं, एवं स्थितप्रज्ञा से युक्त हो जाते हैं।
- बालशिक्षा, समाज में व्याप्त भ्रान्तियों, आश्रमव्यवस्था आदि का ज्ञान हो जाता है, जिससे विद्यार्थी तत्विषयक ज्ञान से युक्त हो जाते हैं।

1. वेदः- ऋग्वेदः (अग्निसूक्तम् 1.1, श्रद्धासूक्तम् 10.151)	**15**
(क) मन्त्रपूर्तिः	05
(ख) शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम्	05
(ग) ऋषिदेवताछन्दोज्ञापनम्	05
2. गीता (अध्याय - 2) स्थितप्रज्ञप्रकरणम्	15
(क) श्लोकपूर्तिः	05
(ख) श्लोकान्वयः	05
(ग) श्लोकार्थः	05
3. सत्यार्थप्रकाशः (समुल्लासाः- 2,5,7,10)	
(क) बालशिक्षाविषयः / भूतप्रेतादिनिषेधः / जन्मपत्रसूर्यादिग्रहः समीक्षा	10
(ख) वानप्रस्थसंन्यासाश्रमविधिः	10
(ग) ईश्वरविषयः	10

सहायकग्रन्थाः-

1. ऋग्वेदः- व्याख्याकारः डॉ. जियालाल कम्बोज

   प्रकाशकः- विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली।

2. श्रीमद्भगवद्गीता-

   प्रकाशकः- दिव्यप्रकाशनम, दिव्य योगमन्दिर ट्रस्ट, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।

3. सत्यार्थप्रकाश :- महर्षिदयानन्दकृतः

   प्रकाशकः आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट देहली।

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः

(वैदिकसाहित्यम्)

वेदतः	15
1. पञ्चानां मन्त्राणां पूर्तिः	05
2. चतुर्णा मन्त्राणां शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम्	05
3. पृष्टानां पञ्चानां मन्त्राणाम् ऋषिदेवताछन्दांसि ज्ञापनीयानि।	05
गीतातः	
1. पञ्चानां श्लोकानां पूर्त्तिः।	05
2. पृष्टेषु त्रिषु द्वयोः श्लोकान्वयः	05
3. पृष्टेषु त्रिषु द्वयोः श्लोकार्थः।	05
सत्यार्थप्रकाशः	**40**
(क) बालशिक्षाविषयः / भूतप्रेतादिनिषेधः / जन्मपत्रसूर्यादिग्रहः समीक्षा	10
(ख) वानप्रस्थसंन्यासाश्रमविधिः	10
(ग) ईश्वरविषयः	10
(घ) आचारानाचारभक्ष्याभक्ष्यविषयः	10

सहायकपाठ्यक्रमस्य द्वितीयसत्रम्

ENGLISH COMMUNICATION-2

BC- 205

Objectives:

Unit1-Communicate easily with and enhance the ability to understand native speakers
Unit 2- Remove personal barriers and enhance confidence in a group setting and in work places
Unit3-Help translate L2 from L1 in a more efficient manner
(L1 is the mother tongue & L2 is the Official Language – here English)
Unit4 –Enhance formal and business writing skills

Course Specific Outcomes

- Produce words with right pronunciation
- Develop vocabulary and improve the accuracy in grammar
- Develop the confidence to speak in public
- Demonstrate positive group communication exchanges.
- Ability to speak and write clearly in standard, academic English

Method of Teaching & Assessment-Videos, Audio clippings, discussion, written and oral exercises

Unit-1:-

Different types of Salutations
Differences between formal and informal speech, between standard and Colloquial language

Unit-2: Verbal and Non-verbal Communication

- Personal–Social–Business
- Inter-personal and Group Communication
- Professional Communication

Unit3- Reading Comprehension

- Analysis and Interpretation
- Translation (from Indian Languages to English and vice-versa)
- Loud Reading, Drilling for pronunciation and fluency
- Listening Comprehension

Unit4- Writing Skills

- Report Writing
- Paraphrasing
- Professional Writing
- Argumentative Essays

Text books:

1. English Grammar in Use*, 4th Edition, Cambridge by Raymond Murphy*
2. Oxford Handbook for the Foundation Programme *by Tim Raine & James Dawson & Stephan Sanders & Simon Eccles – eBook*

Suggested Sources:

3. *learnenglish.britishcouncil.org*
4. *learnenglish.britishcouncil.org/general-english/magazine-zone*
5. British Council e-Books for free - *pdfdrive.com/british-council-books.html*
6. Check Your Vocabulary for English for the IELTS Examination - *eBook*